

भारत सरकार
आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं0 3141
11 जुलाई, 2019 को उत्तर के लिए

okgu xfr

3141. श्री तेजस्वी सूर्या:

क्या वकोरु वकी 'कगह दक'; मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारत के सभी टियर-1 और टियर-2 शहरों में व्यस्ततम समय के दौरान वाहनों की औसत गति कितनी होती है;

(ख) क्या सरकार का शहरी यातायात की गति में वृद्धि करने हेतु शहरों में आपस में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा शुरू करने के लिए भारतीय शहरों में 'औसत यात्रा गति' के संबंध में स्वच्छ सर्वेक्षण की तरह सर्वेक्षण प्रकाशित करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने यातायात संकेतकों के नियंत्रण और यातायात की निगरानी के लिए "इंटरनेट ऑफ थिंग्स" प्रौद्योगिकी का उपयोग करने पर ध्यान दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार का यातायात नियम तोड़ने के लिए भारी जुर्माना लगाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क)से(घ) : शहरों में औसत वाहन गति, सड़क अवसंरचना और यातायात प्रबंधन की गुणवत्ता के अतिरिक्त निजी वाहन सघनता में वृद्धि के अनुसार सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क की उपलब्धता पर निर्भर करती है। शहरी परिवहन, जो शहरी परिवहन का अभिन्न अंग है, राज्य का विषय है। इसलिए, यथा उल्लिखित शहरी परिवहन प्रणाली की योजना और निष्पादन सहित, ऐसी पहलें राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों / शहरी स्थानीय निकायों द्वारा शुरू की जाती हैं। तथापि, स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत 73 शहर, एकीकृत कमांड और नियंत्रण केन्द्र (ईसीसीसी) का कार्यान्वयन कर रहे हैं। ईसीसीसी में एकीकृत यातायात प्रबंधन प्रणाली, अनुकूली यातायात संकेतन प्रणाली, और रेड लाइट वायलेशन पिटेक्शन सिस्टम हेतु समाधान शामिल हैं, जिससे शहर में वागमन में सुधार होगा। ये प्रणालियाँ तकनीक के प्रयोग पर धारित हैं जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल हैं:- मोशन पिटेक्शन, वीडियो निगरानी, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (ईओटी) डिवाइस, सेंसर और डेटा एनालिटिक्स।